सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक 22

अक्टूबर-2021

Statue of ***Unity***

एक भारत श्रेष्ठ भारत

शारदीय नवरात्रि पर ग्राम गौरव मेले का सफल आयोजन

भारतवर्ष पर्व एवं त्योहारों का देश है। हमारे देश में नववर्ष, दशहरा, रक्षाबंधन, गुरु-पूर्णिमा, दुर्गापूजा, नवरात्रि, दीपावली, विजयादशमी, मकर संक्रांति, गणेशोत्सव, वसंतोत्सव, होली, आदि त्योहार मनाए जाते हैं। भारतीय त्योहार सभी देशवासियों को एकता के सूत्र में बाँधने का काम करते हैं। इन अवसरों पर कई जगह मेलों का आयोजन भी किया जाता है।

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना का कार्य देश के 18 राज्यों के 400 गाँवों में चल रहा है। फाउण्डेशन द्वारा शारदीय नवरात्रि के दिनों में प्रत्येक गाँव में 10 दिवसीय ग्राम गौरव मेले का आयोजन किया गया, जिसमें प्रत्येक दिन अलग-अलग कार्यक्रम जैसे कलश यात्रा, स्वच्छता अभियान, रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता, भजन-कीर्तन सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता, मातृ-पितृ पूजन, गृहसज्जा, रूपसज्जा प्रतियोगिता, बुजुर्गों का सम्मान आदि किया गया। इस मेले के द्वारा ग्रमीणों के गौरव, आदर्श एवं सम्मान को याद दिलाने का काम किया गया है।

ग्राम गौरव मेले का संचालन सूर्या संस्कार केन्द्र एवं सूर्य यूथ क्लब के शिक्षक, सेवाभावी, सरपंच, स्वयं सहायता समूह की मातृशक्ति, युवा समिति एवं अभिभावकों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। सभी जाति वर्ग के लोग स्त्री-पुरुष, बच्चे, युवा व बुजुर्ग बड़ी लगन के साथ मेले को सफल बनाया। आपसी समरसता एवं भाईचारे का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सभी ग्रामवासियों ने अपनी क्षमता के अनुसार इसमें तन, मन और धन से सहयोग किया।

दिवस	कार्यक्रम		संख्या
• पहला	दुर्गा पूजन, कलश यात्रा	:	9384
• दूसरा	भाषण, रंगोली प्रतियोगिता	:	6630
• तीसरा	चित्रकला, भजन-कीर्तन	:	7384
• चौथा	सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता	:	6976
• पांचवाँ	कुर्सी , मटकी दौड़	:	6819
• छठवाँ	गृह सज्जा प्रतियोगिता	:	6742
• सातवाँ	रूप सज्जा	:	9393
• अठवाँ	कन्या पूजन, सम्मान समारोह	:	10354

कार्यकर्ता दक्षता वर्ग

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं का 5 दिवसीय कार्यकर्ता दक्षता वर्ग, सूर्या साधना स्थली झिंझोली (आश्रम) में 18 से 22 अक्टूबर 2021 को हुआ। इस वर्ग में आदर्श गाँव योजना द्वारा हो रहे कार्यों की पिछले 3 माह की रिपोर्टिंग, अभियानों की रिपोर्टिंग तथा आगामी 3 माह की प्लानिंग की गयी। प्रमुख रूप से जून से लेकर अक्टूबर तक चलाए गए अभियानों जैसे- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, वृक्षारोपण महाअभियान, जल संरक्षण अभियान, स्वच्छता पखवाड़ा, ग्राम गौरव मेला आदि से क्षेत्र में हुए परिवर्तनों के अनुभव साझा किये गये।

दक्षता वर्ग का शुभारंभ 18 अक्टूबर को मा. मोहिनी मोहन जी (किसान संघ सचिव), श्री वेदजी, श्री हेमंत जी *(वाइस चेयरमैन-सूर्या फाउण्डेशन)* के द्वारा भारत माता के चित्र के सामने दीपक जलाकर किया गया। मुख्य वक्ता मोहनी मोहन जी ने कहा कि- 'कोई कार्य पहले खुद करना, फिर दूसरों को करने के लिए प्रेरित करना (सिखाना)। फिर उनके अच्छा कार्य करने पर उनकी प्रशंसा करना। जिस प्रकार एक मूर्तिकार पत्थरों को तराश कर मूर्ति बनाता है और फिर खुद भी उसको प्रणाम करता है, पूजा करता है।'

ब्रिगेडियर डी.सी. पंत जी एवं वेद जी को चयनित 10 आदर्श गाँव के कार्यकर्ताओं द्वारा गाँव में हुए विकास कार्यों की जानकारी विस्तृत रूप से दी गयी। साथ ही आगामी कार्य योजनाओं की चर्चा की गयी। नई शिक्षा नीति पर आधारित सूर्य भारती पुस्तक पर प्रो. एच.एल. शर्मा जी द्वारा सभी कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा हुई। श्री कामेश्वर जी ने सभी कार्यकर्ताओं को प्रवास एवं एक व्यवस्थित कार्यकर्ता के गुणों के बारे मे बताया, जिसे सभी कार्यकर्ताओं ने बड़ी ही गंभीरता के साथ सुना।

इस शिविर में क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मनाये जाने वाले आजादी के 75 वर्ष में **अमृत महोत्सव कार्यक्रम** करने की योजना बनाई गयी। महिला सशक्तीकरण हेतु स्वयं सहायता समूह के सदस्यों का प्रशिक्षण, युवाओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिता, गाँवों में किए जाने वाले विकास कार्यों आदि विषयों पर कार्यकर्ताओं द्वारा चर्चा एवं वर्कशॉप किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि आ. शिवकुमार जी (रोहतक विभाग प्रचारक) प्रमोद जी, श्री कामेश्वर जी और श्री भरतराज जी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा एक आदर्श कार्यकर्ता के गुणों एवं ग्राम विकास के बिन्दुओं पर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

गौ-उत्पाद प्रशिक्षण
नयागाँव (हरियाणा)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत नयागाँव में महिला सशक्तिकरण एवं स्वालंबन की दृष्टि से गाँव आत्मनिर्भर बनने के लिए गोबर व मिट्टी के मिश्रण से दीपक बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती गीता जी (प्रधानाध्यापिका) उपस्थित रही। फाउण्डेशन की ओर से मुख्य अतिथि के रूप में चयनित आदर्श गाँव प्रमुख श्री विकास विश्वकर्मा जी, सह जोन प्रमुख श्री शत्रुहन जी उपस्थित रहे। शिविर में 6 स्वयं सहायता समूह की 20 महिलाओ ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

प्रशिक्षक संजय तिवारी जी ने गाय के गोबर, मुल्तानी मिट्टी से दीपक बनाने का प्रशिक्षण दिया। इससे प्रशिक्षित महिलाएँ कम लागत में अपने घर पर ही दीपक बना सकेंगी। समूह की महिलाओं ने भी दीपक एक बनाकर दीपावली के अवसर पर स्वयं का रोजगार करने की बात की। विकास विश्वकर्मा जी ने अन्य गाँव का उदाहरण देते हुए समूह की बहनों को रोजगार हेतु प्रेरित किया।

ग्राम विकास समिति का गठन
सलोई (मध्य प्रदेश)

किसी भी गाँव के विकास के लिए उस गाँव के लोगों में **मेरा गाँव-मेरा तीर्थ** का भाव जागृत होना बहुत जरूरी है। किसी भी गाँव का विकास उसी गाँव के लोगों के द्वारा ही सम्भव है। इसी विषय को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा देशभर में ग्राम विकास हेतु समितियों का गठन किया जा रहा है। गाँव के प्रबुद्धजनों के साथ मिलकर गाँव में एक ग्राम समिति का गठन किया जाता है, जिसमें आदर्श गाँव की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रमुख, स्वास्थ्य प्रमुख, युवा प्रमुख, महिला प्रमुख, जन-जागरण प्रमुख आदि जिम्मेदारी समिति के कार्यकर्ताओं दी जा रही है।

फाउण्डेशन प्रयास है कि हर गाँव में गाँव के ही वरिष्ठ सेवाभवियों का एक संगठन तैयार किया जाए। गाँव की यह समिति प्रत्येक सप्ताह बैठक करके गाँव की समस्याओं पर विचार करेगी और निवारण के लिए यथा संभव पूरा प्रयास करेगी। समिति प्रमुख श्री गजानन जी का कई राज्यों में प्रवास हुआ। उन्होंने गाँवों में समिति के गठन की प्रक्रिया एवं समिति से गाँव में होने वाले लाभों के बारे मे बताया। फाउण्डेशन द्वारा अभी तक 56 गाँवों में 56 ग्राम समितियों का गठन किया जा चुका है। इन समितियों के माध्यम से गाँव में ग्राम विकास की समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास किया जाता है।

सार्वजनिक जानकारी हेतु नोटिस बोर्ड
बसई (उत्तराखण्ड)

सरकार द्वारा समय-समय पर ग्रामीणों के लिए अनेकों जानकारियों एवं योजनाओं का शुभारंभ किया जाता है, जिसकी सम्पूर्ण जानकारी गाँव में लोगों को उपलब्ध नहीं हो पाती थी। जिसके कारण गाँव के कई लोग योजनाओं से वंचित हो रहे थे। इसी प्रकार पंचायत द्वारा चलाये जा रहे विकास कार्यों की जानकारी व गाँव मे होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम की जानकारी भी गाँव मे एक साथ सभी परिवारों में पहुँचना सम्भव नहीं था।

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा गाँव बसई का मंझरा में गाँव वालों ने मिलकर एक अनोखी पहल की। गाँव में सरकारी योजनाओं व सार्वजनिक सूचनाओं की जानकारी समय-समय पर ग्रामीणों को मिलती रहे इसके लिए गाँव में पाँच सदस्यों की एक समिति बनाई गई, जिसके माध्यम से समिति के सदस्यों द्वारा बैठक करके गाँव में सूचना पट् (नोटिस बोर्ड) लगाया गया।

नोटिस बोर्ड सार्वजनिक स्थान पर लगाया गया है। इस बोर्ड के माध्यम से ग्रामीणों को केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा चल रही योजनाओं की जानकारी, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, पंचायत द्वारा चल रहे कार्यों की जानकारी, गाँव मे होने वाले आगामी कार्यक्रम, सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चल रहे कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। बोर्ड सार्वजनिक स्थान पर लगने से सभी ग्रामीणों को सरलता से सूचना मिल जाती है।

सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ
(सलोई मध्य प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा मध्य प्रदेश के गाँव- मूण्डला को आदर्श गाँव बनाने के लिए गाँव में शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता और स्वावलंबन के लिए विशेष कार्य किया जा रहा है। फाउण्डेशन द्वारा गाँव में नवरात्रि के समय दिनांक 7 से 15 अक्टूबर 2021 तक ग्राम गौरव मेले का आयोजन किया गया। इस मौके पर गाँव में 9 दिन तक संस्कार केंद्र के बच्चों, यूथ क्लब के युवाओं, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और ग्रामीणों द्वारा अलग-अलग कार्यक्रमों जैसे- कलश यात्रा, भजन-कीर्तन, रंगोली प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़, सूर्य नमस्कार, कन्या पूजन आदि का आयोजन किया गया।

इसी दौरान फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा गाँव में घर-घर सम्पर्क कर सभी को सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी दी गई। दिनाँक 15 अक्टूबर 2021 को गाँव में सुकन्या समृद्धि के लिए कैम्प का आयोजन कर गाँव की 16 बच्चियों के सुकन्या समृद्धि खाता खोले गए।

खुद को पहचानो

हर व्यक्ति किसी न किसी क्षेत्र में कोई न कोई काम अच्छी तरह से कर सकता है। उस क्षेत्र का पता लगायें और उसमें विकास करें। खुद को ऐसा व्यक्ति मानें, जो हासिल करने, सीखने और काम करने में समर्थ है।

अपनी शक्तियों को पहचानें, आप कौन-सा काम अच्छी तरह कर सकते हैं? उस एक काम पर ध्यान केन्द्रित करें, जिसें आप अच्छी तरह से कर सकते हैं। हो सकता है कि वह बहुत सामान्य काम हो, परंतु अपना दिन शुरु करते समय उसी पर ध्यान केन्द्रित करें।

ऐसे लोगों के साथ रहें, जो आप पर विश्वास करना चाहें और आपको सिखाना चाहें। इसके बजाये ऐसे समूहों में रहें जो आपकों दूसरों को पूर्ण बनाना सिखाते हों।

जो लोग आपमें विश्वास करते हैं, उनके विश्वास को बनाये रखें। अच्छी किताबें पढ़ें, ऐसी किताबें जो आपको, हिम्मत, सुख और शांति देती है।

आप कितने अयोग्य हैं, खुद को यह मत बताओं बल्कि अपने लक्ष्यों तथा छोटी-छोटी सफलताओं की सराहना करते रहो। आप जैसे व्यक्ति बनना चाहते हैं, उस व्यक्ति के गुणों को अपने सामने दोहराते रहें।

याद रखें कि आपकी रचना ईश्वर ने की है और वह घटिया सामान नहीं बनाता है। आप खास हैं और आपको किसी विशेष कारण के लिए बनाया गया है। आपके अनूठे गुण, शक्तियाँ और योग्यतायें एक महान योजना का हिस्सा है। दूसरा कोई व्यक्ति आपकी भूमिका नहीं निभा सकता है। आपके गुण ईश्वर का दिया उपहार है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निदेशानुसार बच्चों की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन सूर्या फाउण्डेशन की पाँच किताबें

बच्चों के **बस्ते का बोझ कम करने** के लिए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा प्राइमरी स्तर के लिए (कक्षा-1 से कक्षा-5 तक) "एक कक्षा-एक किताब (ALL IN ONE)" के अंतर्गत, सभी विषयों को समेकित (Integrate) करके, **सूर्य भारती** पुस्तकों की रचना की गई है। **सूर्य भारती** पुस्तकों की रचना देश के माने जाने शिक्षाविदों की बड़ी टीम और विषय विशेषज्ञों के समूह ने की है। ये किताबें Mastery Learning Concept की पूरक हैं। Minimum Level of Learning (MLL) की अवधारणा को ध्यान में रखा गया है। RTE Act की धारा-4 के अनुसार आयुसंगत कक्षा में बच्चों के प्रवेश देने के लिए व उनकी पढ़ाई-लिखाई के लिए ये पुस्तकें बहुत उपयोगी हैं।

माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी को सूर्य भारती पुस्तक भेंट करते हुए सूर्या फाउण्डेशन के प्रतिनिधि

भागो मत - हिम्मत से बढ़ो

एक दिन एक व्यक्ति ने जिंदगी की चिंताओं से परेशान होकर अपने जीवन को खत्म करने का मन बनाया। अपने अंतिम निर्णय से पहले उसने भगवान से बात करने की सोची। उसने भगवान से पूछा कि किसी काम में कोई सफलता नहीं मिली तो मैं जिंदा क्यों रहूँ?

भगवान ने उस व्यक्ति को कहा–तुम अपने चारों ओर इस खड़ी जंगली घास और बाँस के पेड़ों को देख रहे हो। मैंने दोनों को बोया, दोनों की खूब देखभाल की। दोनों को बराबर प्रकाश–हवा–पानी दिया। जंगली घास तेजी से बढ़ी और आसपास के पूरे क्षेत्र को उसने ढँक दिया। बाँस में अंकुर भी नहीं फूटे। लेकिन मैंने धैर्य नहीं छोड़ा।

दूसरा वर्ष आया घास और फैली। लेकिन बाँस इस वर्ष भी जमीन में दबा रहा। तीसरा वर्ष भी ऐसा ही रहा। लेकिन मैं बाँस के उगने को लेकर आशान्वित रहा। इसी तरह 4 साल बीत गए।

बाँस के पेड़ ने 5 साल लगाए और पाँचवे साल 100 फीट ऊँचा हो गया। भगवान ने कहा, मैंने बाँस के लिए कोई निराशा नहीं रखी। इसी तरह तुम्हारे बारे में भी मेरे मन में कोई निराशा नहीं है। अपने आप की दूसरों से तुलना मत करो। घास और बाँस दोनों के अपने–अपने उपयोग है। बाँस की तरह तुम्हारा दिन भी आएगा, तुम भी अपने विचारों को मजबूत बनाओ। एक दिन बाँस की तरह ऊँचे बढ़ोगे। और यह तुम पर निर्भर करेगा कि तुम कितने ऊँचे जा सकते हो।

वह व्यक्ति वापस मुड़ा और संकल्प लिया कि अब वह भागेगा नहीं, मेहनत करके और ऊँचा उठेगा। जिंदगी में सफलता के लिए धैर्य का होना बहुत जरूरी है। यह बात व्यक्ति, समाज और देश के लिए भी है। धैर्यपूर्वक, ईमानदारी से काम करते रहें, सफलता जरूर मिलेगी।

सूर्य नमस्कार से करें दिन शुरू

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। सुबह शौच के बाद पूर्व दिशा में मुख करके सूर्य नमस्कार करना चाहिए।

सूर्य नमस्कार के फायदे –

- पेट की सभी मांसपेशियाँ मजबूत होती हैं। पाचन शक्ति बढ़ती है।
- शरीर के ज्यादा वजन को घटाने में मददगार है।
- आलस्य को दूर भगाता है। दिमाग को ठंडा रखता है। त्वचा के रोग खत्म हो जाते हैं।
- शरीर में खून का प्रवाह तेज होने से ब्लड प्रेशर की बीमारी में आराम मिलता है।
- व्यक्ति में धीरज रखने की क्षमता बढ़ती है।
- सहनशीलता बढ़ाने और क्रोध पर काबू रखने में मददगार है।
- शरीर में लचीलापन आता है जिससे पीठ और पैरों के दर्द की आशंका कम होती है।

समाचार पत्रों में सूर्या फाउण्डेशन की खबरें

एक और कदम आत्मनिर्भरता की ओर, गांव की बहनों को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़।
सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा संचालित आदर्श गांव योजना के अंतर्गत आज आदर्श गांव नयागांव में गौ आधारित उत्पाद के शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन अमृत महोत्सव को ध्यान में रखते हुए साथी आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत गांव की बहनों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सूर्या फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर महिला सशक्तिकरण एवं स्वालंबन की दृष्टि से इस प्रकार का आयोजन आस-पास के गांव में कराया जा रहा है। जिससे कि गांव आत्मनिर्भर बने इसी के अंतर्गत आज गाय के गोबर व मिट्टी के मिश्रण से दीपक बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाध्यापिका श्री गीता

शेरावत जी (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नयागांव) बबिता जी (आर्ट), सीमा जी (इ.ळ.क), शर्मिला जी (अंग्रेजी) अध्यापिका उपस्थित रही सूर्या फाउंडेशन से मुख्य अतिथि के रूप में सह जोन प्रमुख श्री शत्रुहन लाल कश्यप जी दस आदर्श गांव प्रमुख श्री विकास विश्वकर्मा जी गौ आधारित प्रशिक्षण प्रमुख श्री संजय जी ग्राम सेवक अभिषेक उपाध्याय आदि लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक संजय तिवारी जी ने बताया कि गाय का ताजा गोबर 700 ग्राम तालाब की काली चिकनी मिट्टी या मुल्तानी मिट्टी 250 ग्राम तथा 50 ग्राम मैदा लकड़ी यह सभी सामग्री को एक दिन पहले मिक्स करके रख देंगे, फिर दूसरे दिन दीपक बनाने में प्रयोग करेंगे। जिससे दीपक अच्छा एवं सुंदर बनेगा। आने वाले नवंबर माह में दिवाली को ध्यान में रखते हैं यह प्रशिक्षण कराया गया जिससे कि महिलाएं कम लागत में अपने घर पर ही दीपक बनाएं। इस समूह की महिलाओं वह दीपक एक दूसरे से आने वाली दीपावली में उसकी मार्केटिंग करे। विकास विश्वकर्मा जीने अन्य गांव का भी उदाहरण देकर समूह के बहनों को बतलाया। शत्रु लाल कश्यप ने कहा कि हम सब ने बहुत सारे प्रशिक्षण ले रखे हैं और हमें अब स्वरोजगार की दृष्टि से एक छोटी सी शुरूआत करने की आवश्यकता है। पूर्व में हम सब में धूपबत्ती बनाना फिनाइल बनाना साबुन बनाना मंजन बनाना ओंके बना दो आदि कभी प्रशिक्षण ले रखे हैं विशेषकर छोटे-छोटे मार्केटिंग के माध्यम से भी हम घर बैठे आय कमा सकते हैं।
आत्मनिर्भर भारत के लिए यह एक अच्छा पहल होगी।

ಲಸಿಕಾ ಅಭಿಯಾನದಲ್ಲಿ ಮಹತ್ವದ ಮೈಲಿಗಲ್ಲು: ಕಾಡೋದೆ

ಉದಯಕಾಲ ನ್ಯೂಸ್

ಭಾಲ್ಕಿ: ಕೋವಿಡ್-19 ಪಿಡುಗಿನ ವಿರುದ್ಧ ದೇಶಾದ್ಯಂತ ಆರಂಭವಾದ ಲಸಿಕಾ ಅಭಿಯಾನದಡಿ 100 ಕೋಟಿ ಗೂ ಅಧಿಕ ಡೋಸ್ ಲಸಿಕೆ ನೀಡುವ ಮೂಲಕ ಭಾರತ ದೇಶವು ಮಹತ್ವದ ಮೈಲುಗಲ್ಲಿನ ಸಾಧನೆ ಮಾಡಿರುವುದು ಭಾರತೀಯರೆಲ್ಲರಿಗು ಹೆಮ್ಮೆಯ ವಿಷಯವಾಗಿದೆ ಎಂದು ಸೂರ್ಯ ಫೌಂಡೇಶನ್ ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಪ್ರಮುಖರಾದ ಸಿದ್ದು ಕಾಡೊದೆ ತಿಳಿಸಿದರು.

ತಾಲೂಕಿನ ಧನ್ನೂರಾ (ಎಚ್) ಗ್ರಾಮದಲ್ಲಿ ಸೂರ್ಯ ಫೌಂಡೇಶನ್ ವತಿಯಿಂದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಆರೋಗ್ಯ ಕೇಂದ್ರದ ವೈದ್ಯರಿಗೆ ಹಾಗೂ ಆಸ್ಪತ್ರೆಯ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ವರ್ಗದವರಿಗೆ ಅಭಿನಂದನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಸಿದ್ದು ಕಾಡೊದೆ ಅವರು ಮಾತನಾಡುತ್ತಾ, ಭಾರತ ದೇಶದಲ್ಲಿ ಮೊದಲಿಗೆ ಆರೋಗ್ಯ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರಿಗೆ ಲಸಿಕೆ ನೀಡುವುದರೊಂದಿಗೆ ಜನವರಿ 16 ರಿಂದ ದೇಶಾದ್ಯಂತ ಲಸಿಕೆ ಅಭಿಯಾನ ಆರಂಭವಾಗಿತ್ತು.

ಫೆಬ್ರವರಿ 2ರಿಂದ ಕೋವಿಡ್ ಮುಂಚೂಣಿ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರಿಗೆ, ಮಾರ್ಚ್ 1ರಿಂದ 60 ವರ್ಷಕ್ಕಿಂತ ಮೇಲ್ಪಟ್ಟ ಹಾಗೂ 45 ವರ್ಷಕ್ಕೂ ಮೇಲ್ಪಟ್ಟ ದುರ್ಬಲ ವರ್ಗದವರಿಗೆ, ಏಪ್ರಿಲ್ 1 ರಿಂದ 45 ವರ್ಷದೊಳಗಿನ ಎಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೂ ದೇಶಾದ್ಯಂತ

ಲಸಿಕೆ ನೀಡಿಕೆ ಪ್ರಾರಂಭವಾಗಿತ್ತು. ಮೇ 1 ರಿಂದ 18 ವರ್ಷಕ್ಕಿಂತ ಮೇಲ್ಪಟ್ಟ ಎಲ್ಲಾ ಜನರಿಗೂ ಲಸಿಕೆ ನೀಡುವಿಕೆಯನ್ನು ವಿಸ್ತರಿಸಲು ಕೇಂದ್ರ ಸರ್ಕಾರ ನಿರ್ಧರಿಸಿತ್ತು. ಈಗ ಅದು ನೂರು ಕೋಟಿ ಡೋಸ್ ಲಸಿಕೆ ಪೂರೈಸಿರುವುದು ಬಹಳ ಹೆಮ್ಮೆಯ ಸಂಗತಿ ಈ ಪ್ರಯುಕ್ತ ಕೋವಿಡ್ ಯೋಧರಿಗೆ ಸೂರ್ಯ ಫೌಂಡೇಶನ್ ಸಂಸ್ಥೆಯು ಆಭಾರಿಯಾಗಿರುತ್ತದೆ ಎಂದರು.

ಈ ಪ್ರಯುಕ್ತ ಶುಕ್ರವಾರದಂದು ಆಸ್ಪತ್ರೆಯ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಡಾ.ದೇವಕಿ ಖಿಂಡೆ,, ಡಾ.ಸ್ವಾಮಿ ವಿವೇಕಾನಂದ, ಸಿಬ್ಬಂದಿಗಳಾದ ಮಂಗಲ, ಪ್ರದೀಪ ದೊಡ್ಡನೆ, ಶ್ರೀಮತಿ, ಅಭಿಲಾಷ ಕುಲಾಲ್, ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯತಿ ಸದಸ್ಯರಾದ ರಮೇಶ ವಿದ್ಯಾಸಾಗರ, ಮೋಹನ ನಾಯ್ಕ ಅವರಿಗೆ ಶಾಲು ಹೊದಿಸಿ, ಸಿಹಿ ತಿನಿಸಿ ಗೌರವಿಸಲಾಯಿತು.

ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮದ ಪ್ರಮುಖರಾದ ಸತೀಶ್ ಪಾಟೀಲ್, ಜೈಭೀಮ ಬೌದ್ಧೆ, ಫೌಂಡೇಶನ್ ಶಿಕ್ಷಕರಾದ ಸಂಗಮೇಶ ದಾನಿ, ಆಕಾಶ ಪಟ್ನೆ, ರಮೇಶ ಅರಾಳೆ, ಸಂಗಮೇಶ ಬಿರಾದಾರ, ಲೋಕೇಶ ದಾನಿ ಸೇರಿದಂತೆ ಇತರರಿದ್ದರು.

सरकारी योजनाओं के लाभ से महिलाएं बन सकती है आत्मनिर्भर : हरेन्द्र बिष्ट

काशीपुर (मंटा संवाददाता)। क्षेत्र के गांव बसई का मंझरा में सूर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के तहत सरकारी योजना गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरेन्द्र बिष्ट (राज्य आजीविका मिशन विभाग जसपुर ब्लॉक) व सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख नीतीश कुमार ने भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री हरेन्द्र ने बताया कि भारत सरकार द्वारा सभी स्तरों पर समय-समय पर समाज के अनुप्रस्थ वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जाती हैं, हमारे पास ऐसा माध्यम है कि घर बैठे ही सभी योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं और कुछ ऐसी योजनाएं भी चलती है, जिसका आप अपने मोबाईल फोन से फॉर्म भरकर भी लाभ ले सकते हैं। आजीविका मिशन के बारे में बताते हुए कहा कि आजीविका मिशन महिलाओं के स्वावलंबन व रोजगार के लिये कार्य करता है। गांव में महिलाओं के छोटे छोटे समूह बनाकर उन्हें रोजगार देने का काम करता है। आजीविका मिशन के माध्यम से कई महिलाओं ने छोटे स्तर से कार्य शुरू किया था आज उनका कार्य बड़े स्तर पर पहुँच गया है जिससे वो अन्य लोगो को अपने कार्य मे रोजगार दे रही है। आजीविका मिशन के माध्यम से गाँव की महिलाएं आत्मनिर्भर की ओर बढ़ रही है। समय-समय पर समूह की साप्ताहिक बैठक भी गांव में समूह के अध्यक्षों के माध्यम से की जाती है। अजीविका मिशन से महिलाएं अगर कोई रोजगार करना चाहती हैं, तो उनके लिए लोन भी बहुत कम ब्याज पर दिया जाता है। और ब्याज की राशि भी महिलाओं के समूह के खाते में वापस आ जाती है। जरूरी नही की समूह की सभी महिलाएं रोजगार करेंगी तभी लोन मिलेगा, समूह की एक महिला को लोन मिलता है। जो महिला लोन ले रही है अगर वह ज्यादा शिक्षित नही है तो लोन लेकर वो अपने पति या बच्चों के माध्यम से रोजगार का काम शुरू कर सकती है। किसी भी क्षेत्र में महिलायें लोन ले सकती है जैसे किसी को ब्यूटी पार्लर खोलना है, पशु पालन करना हो, ग्राहक सेवा केन्द्र खोलना हो, दुकान रखना हो, मधुमक्खी पालन करना हो, किसी भी प्रकार की सामग्री का उत्पादन करना हो ऐसा कोई भी कार्य कर सकती है। समय-समय पर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का अगर आप लाभ लेते हैं तो आपको आर्थिक मदद के साथ साथ रोजगार की दिशा भी मिलती है। सरकार द्वारा योजनाएं सभी वर्गों के लिए चलाई जा रही है। जिसमें बच्चे, युवा, बड़े बुजुर्ग व महिलाएं सभी सम्मिलित है। सभी योजनाओं का एक सीमांकन होता है जो उस दायरे में आता है उसे योजना का लाभ मिलता है। राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी के लिए आप ब्लॉक में अधिकारियों से भी सम्पर्क कर सकते हैं।राज्य सरकार द्वारा भी ब्लॉक में किसानों के लिए सब्सिडी पर उन्नत किस्म के बीज, बाग लगाने के लिए पौधे, कृषि संबंधित यंत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सूर्या फाउंडेशन ग्राम प्रमुख नरेन्द्र ने बताया कि सरकार द्वारा चल रही सुकन्या समृद्धि योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, किसान सम्मान निधि योजना, मुद्रा योजना, श्रम कार्ड, डिजिटल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, ऐसी बहुत महत्वकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है जिनका सभी सामान्य रूप से लाभ ले सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को सब्जी का बीज वितरण किया गया। इस मौके पर संस्कार केंद्र के शिक्षक रणधीर, यूथ क्लब के शिक्षक हरीश, विशाल व अधिक संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्राम गौरव मेले की तैयारी व्यापक स्तर पर

प्रे.सं.गुवाहाटी, ७ अक्टूबर : सूर्या फाउंडेशन द्वारा देशभर के १८ राज्यों में नवरात्रा के अवसर पर नवरात्रा के ९ दिन अलग-अलग कार्यक्रम के पश्चात अंतिम दिन विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय टोली के सदस्य गजानन चौहान ने बताया कि आज क्षेत्र में कार्य करने वाले शिक्षकों की बैठक रखी गई। इस बैठक में ९ दिन अलग-अलग होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। जिसमें प्रथम दिन कलश यात्रा,

ओम पताका कलश स्थापना तथा भजन संध्या, दूसरे दिन भाषण तथा रंगोली प्रतियोगिता, तीसरे दिन चित्रकला प्रतियोगिता, चौथा दिन भजन कीर्तन तथा दुर्गा पाठ, पांचवा दिन सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता, छटा दिन महिलाओं के लिए कुर्सी, मटकी तथा चम्मच दौड प्रतियोगिता, सातवां दिन गृह सज्जा प्रतियोगिता, आठवां दिन रथ सज्जा तथा नवरात्र के अंतिम दिन मातृ पितृ पूजन तथा गांव के बुजुर्गों का सम्मान, कन्या पूजन की योजना बनाई गई। साथ ही यह कार्यक्रम गांव का कार्यक्रम बने और अधिक से अधिक ग्राम वासियों की सहभागिता रहे, इसको ध्यान में रखते हुए स्थानीय ग्राम विकास समिति, सेवाभावी बंधु, स्वयं स्वयं सहायता समूह की बहने तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों का सहयोग लिया जाएगा। इस बैठक में भीख पुरी गोस्वामी, विनोद महतो, मंटू ठाकुर, सौबिन्द बर्मन, तरुण सिह, सुरेश हेम्ब्रम, घियालाल गणेश सहित अनेक युवाओं की सहभागिता रही।

दीवार बनाकर सार्वज…
ने प्रदर्शन कर अ…

गदरपुर (मंटा संवाददाता)। नगर के वार्ड नंबर 6 में डॉ. रहेला वाली गली में ग्रामीणों ने गली की दूसरी ओर से एक व्यक्ति द्वारा